स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की परीक्षा योजना

प्रथम तथा द्वितीय सेमेस्टर सत्र 2019–20 से अविरत

विषय – हिन्दी **प्रथम सेमेस्टर**

प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का शीर्षक	अधिकतम अंक		न्यूनतम उत्तीर्णांक	
		सैध्दांतिक	सी.सी.ई	सैध्दान्तिक	सी.सी.ई
प्रथम	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	85	15	28	05
द्वितीय	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उनका इतिहास	85	15	28	05
तृतीय	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	85	15	28	05
चतुर्थ	प्रयोजनमूलक हिन्दी	85	15	28	05
	द्वितीय सेमेस्टर				
प्रथम	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	85	15	28	05
द्वितीय	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास	85	15	28	05
तृतीय	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	85	15	28	05
चतुर्थ	प्रयोजनमूलक हिन्दी	85	15	28	05

28.10.22

28.10.2022

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की परीक्षा योजना

तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर सत्र 2021–22 से अविरत

विषय – हिन्दी तृतीय सेमेस्टर

श्नपत्र	प्रश्नपत्र का शीर्षक	अधिकतम अंक		न्यूनतम उत्तीर्णांक	
		सैध्दांतिक	सी.सी.ई	सैध्दान्तिक	सी.सी.ई
थम	आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास	85	15	28	05
द्वितीय	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	85	15	28	05
तृतीय	हिन्दी साहित्य का इतिहास	85	15	28	05
चतुर्थ	निम्न में से कोई एक सूरदास जयशंकर प्रसाद तुलसीदास कथाकार प्रेमचन्द अनुवाद विज्ञान दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन आचार्य विद्यासागर कृत मूकमाटी महाकाव्य	85	15	28	05
	चतुर्थ सेमेस्टर				
प्रथम	आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास	85	15	28	05
द्वितीय	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	85	15	28	05
तृतीय	हिन्दी साहित्य का इतिहास	85	15	28	05
चतुर्थ	निम्न में से कोई एक सूरदास जयशंकर प्रसाद तुलसीदास कथाकार प्रेमचन्द अनुवाद विज्ञान दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन आचार्य विद्यासागर कृत मूकमाटी महाकाव्य	85	15	28	05

28.10.22

28.10.2022

एम.ए. एम.कॉम. एम.एस.सी. की सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए योजना निम्नानुसार रहेगी :—

1. प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा। 33 प्रतिशत उत्तीर्णांक होगा।
2. कुल अंको (Aggregate marks) में 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होगें अर्थात 160/400 अंक अर्जित करने होगे।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में दो विषयों में ए.टी./के.टी. की पात्रता रहेगी।

सरल कमांक	कक्षा	सैद्धांतिक/प्रायोगिक प्रश्नपत्रों के लिए निर्धारित		न्यूनतम प्राप्तांक	एग्रीगेट प्राप्तांक
		सैद्धांतिक अंक	[illegible] अंक		
1.	M.A., M.Sc., M.Com. M.H.Sc. (सेमेस्टर प्रणाली नियमित)	85	15	28 05	40%
2.	प्रायवेट परीक्षार्थियों के लिए	100	—	33	40%
				Aggregate Marks 160/400	

28.10.22

28.10.2022

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय,इन्दौर

सत्र 2019–20 से अविरत

प्रथम सेमेस्टर

विषय : भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्रश्नपत्र : प्रथम

पूर्णांक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई – 1

भारतीय काव्य शास्त्र : काव्य– लक्षण, काव्य– हेतु, काव्य – प्रयोजन काव्य के प्रकार।
रस–सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस – निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा ।
अलंकार सिद्धांत : मूल स्थापनाएं, अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई – 2

रीति– सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।
वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ।

इकाई – 3

ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि – सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत–व्यंग्य, चित्रकाव्य।
औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएं, औचित्य के भेद।

इकाई – 4

हिन्दी रीतिकालीन कवि – आचार्यो का काव्य शास्त्रीय चिंतन : लक्षण–काव्य परंपरा एवं कवि – शिक्षा

इकाई – 5 आधुनिक हिन्दी आलोचना का विकास

हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : शास्त्रीय व्यक्तिवादी / सोष्ठव वादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत – शास्त्रीय समीक्षा के सिध्दान्त– भाग–1,2 (भारतीय साहित्य मंदिर दिल्ली)
2. डॉ. गणपतिन्द्र गुप्त – भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिध्दान्त
3. भगीरथ मिश्र – पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिध्दान्त और वाद (विश्वविद्यालय,प्रकाशन, वाराणसी)
4. डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल – हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
4. डॉ. नगेन्द्र – भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)
5. डॉ. निर्मला जैन – पाश्चात्य साहित्य चिन्तन (राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली)
6. मूलजी भाई – भारतीय और पाश्चात्य काव्य शास्त्र(राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली)
7. डॉ सत्यदेव चौधरी – भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र(अशोक प्रकाशन, दिल्ली)
9. देवेन्द्र इस्सर – उत्तर आधुनिकता : साहित्य और संस्कृति की नयी सोच (इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली)

28.10.22

28.10.2022

प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र– द्वितीय
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास

पूर्णांक – 85+15 सी.सी.ई.

पाठ्य विषय :–

इकाई – 1 व्याख्यांश –

1. विद्यापति – 20 पद (विद्यापति, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
   पद कमांक – 1,4,5,7,8,11,12,14,15,16,20,22,23,26,27,28,31,35,36,39.
2. कबीर – कबीर ग्रंथावली – डॉ0 श्यामसुंदर दास
   गुरुदेव को अंग (साखी कमांक 1 से 10), सुमिरण को अंग (साखी कमांक 1 से 10), विरह कों अंग (साखी कमांक 1 से 10), ज्ञान– विरह को अंग (साखी कमांक 1 से 10), परचा को अंग (साखी कमांक 1 से 10),
3. जायसी – पदमावत,– संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल
   (सिंघल दीप खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड) उपसंहार ।

इकाई – 2

चंदबरदाई और विद्यापति, से संबधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 3

कबीर और जायसी से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 4 प्राचीनकाल एवं मध्यकालीन काव्य (निर्गुणधारा) का इतिहास, प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकारों से संबंधित प्रश्न ।

इकाई – 5 द्रुतपाठ के कवि–गोरखनाथ, अमीर खुसरो, रैदास नामदेव से संबंधित लघुउत्तरीय प्रश्न ।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. डॉ. प्रेमनारायण शुक्ल – संत साहित्य (ग्रथम,कानपुर))
2. डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत – कबीर
3. डॉ. शिवसहाय पाठक – मलिक मोहम्म्द जायसी और उनका काव्य
4. डॉ. रमेशचन्द्र गगराडे – निमाड के संत – कवि सिंगाजी (हिन्दी साहित्य भंडार लखनउ–3)
4. डॉ. पुरूषोत्तम अग्रवाल – अकथ कहानी प्रेम की कबीर की कविता और उनका समय (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
5. शिवप्रसाद सिंह – विद्यापति– राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली)

अंक विभाजन –नियमित

इकाई 1	–	व्याख्या	3 X 8 = 24
इकाई 2	–	आलोचनात्मक प्रश्न	16
इकाई 3	–	आलोचनात्मक प्रश्न	15
इकाई 4	–	आलोचनात्मक प्रश्न	15
इकाई 5	–	लघुउत्तरीय प्रश्न	3 X 5 = 15

28.10.22

28.10.2022

85

अंक विभाजन –स्वाध्यायी

इकाई 1	–	व्याख्या	3 X 9 = 27
इकाई 2	–	आलोचनात्मक प्रश्न	20
इकाई 3	–	आलोचनात्मक प्रश्न	20
इकाई 4	–	आलोचनात्मक प्रश्न	18
इकाई 5	–	लघुउत्तरीय प्रश्न 3	X 5 = 15

100

प्रथम सेमेस्टर
प्रश्नपत्र तृतीय
आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

पूर्णांक–85+15 सी.सी.ई.

इकाई–1 उपन्यास और कहानी

व्याख्यांश

1– गोदान– प्रेमचन्द
2– रागदरबारी – श्रीलाल शुक्ल
3– रुकोगी नहीं राधिका – उषा प्रियंवदा
4– कथायात्रा – सं. डॉ. राजेन्द्र मिश्र – तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

इकाई–2

गोदान अथवा रामदरबारी से आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई–3

रुकोगी नहीं राधिका अथवा कथायात्रा से आलोचनात्मक प्रश्न ।

इकाई–4

उपन्यास और कहानी का इतिहास और उनकी विविध प्रवृत्तियॉ ।

इकाई–5 – द्रुतपाठ

जैनेन्द्र, यशपाल, अमृतलाल नागर, निर्मल वर्मा, मन्नू भंडारी से संबधित लघुउत्तरीय प्रश्न ।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. डॉ. शशिभूषण सिंह – हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियॉ (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
2. डॉ. सुरेश सिन्हा – हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव और विकास (अशोक प्रकाशन,दिल्ली)
3. डॉ. रामदरश मिश्र – हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा
4. श्री राजेन्द्र यादव – कहानी : स्वरूप और संवेदना(नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली)
4. डॉ. धनंजय वर्मा – समकालीन कहानी – दिशा और दृष्टि (अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद)
5. गोपाल राय – हिन्दी उपन्यास का इतिहास राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. गोपाल राय – हिन्दी कहानी का इतिहास राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. डॉ. राजेन्द्र मिश्र – बीसवी शताब्दी के चर्चित उपन्यास (तक्षशिला प्रकाशन)
9 कमलेश्वर का रचना संसार – डॉ. वंदना अग्निहोत्री प्रकाशक– सरस्वती प्रिंटिंग प्रेस खजूरी बाजार

28.10.22

28.10.2022

इन्दौर

अंक विभाजन –नियमित

इकाई 1	–	व्याख्या	3 X 8 = 24
इकाई 2	–	आलोचनात्मक प्रश्न	16
इकाई 3	–	आलोचनात्मक प्रश्न	15
इकाई 4	–	आलोचनात्मक प्रश्न	15
इकाई 5	–	लघुउत्तरीय प्रश्न	3 X 5 = 15
			85

अंक विभाजन –स्वाध्यायी

इकाई 1	–	व्याख्या	3 X 9 = 27
इकाई 2	–	आलोचनात्मक प्रश्न	20
इकाई 3	–	आलोचनात्मक प्रश्न	20
इकाई 4	–	आलोचनात्मक प्रश्न	18
इकाई 5	–	लघुउत्तरीय प्रश्न	3 X 5 = 15
			100

प्रथम सेमेस्टर
प्रश्नपत्र– चतुर्थ
प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई – 1 पूर्णांक – 85+15 सी.सी.ई.

कामकाजी हिन्दी –

1. हिन्दी के विभिन्न रूप– सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्मय भाषा, मातृभाषा।
2. कार्यालयीन हिन्दी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य :– प्रारूपण, पत्र–लेखन संक्षेपण , पल्लवन, टिप्पण ।
3. पारिभाषिक शब्दावली – स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली एवं उनका व्यावहारिक प्रयोग।

इकाई – 2

हिन्दी कम्प्यूटिंग–

1. कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा वेब पब्लिशिंग का परिचय।
2. इंटरनेट,:– संपर्क उपकरणों का परिचय, प्राथमिक, रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र।
3. वेब पब्लिकेशन ।
4. इंटर एक्सरलोइट अथवा नेट स्केप।
5. लिंक, ब्राउजिंग पोर्टल, ई मेल भेजना/ प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग एवं अपलोडिंग के साफ्टवेयर पैकेज।

28.10.22 28.10.2022

इकाई – 3

1. अनुवाद :– स्वरूप, क्षेत्र, प्रकिया और प्रविधि।
2. हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3. कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद।
4. जनसंचार माध्यमों का अनुवाद ।
5. विज्ञापन में अनुवाद ।
6. वैचारिक साहित्य का अनुवाद ।

इकाई – 4

1. वाणिज्यिक,वैज्ञानिक,तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद ।
2. विधि साहित्य की हिन्दी और अनुवाद ।
3. व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास ।
4. कार्यालयीन अनुवाद–कार्यालयीन एवं प्रशासनिक प्रयुक्तियॉ, पदनाम, विभाग आदि ।
5. पदनामों, अनुभागों,दस्तावेजों,प्रतिवेदनों के अनुवाद ।

इकाई 5

1. बैंक साहित्य के अनुवाद का अभ्यास ।
2. विधि साहित्य के अनुवाद का अभ्यास ।
3. साहित्यिक अनुवाद के सिध्दान्त एवं व्यवहार :– कविता,कहानी, नाटक
4. सारानुवाद 5 – दुभाषिया प्रविधि 6 अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया – प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी (तक्षशिला ,दिल्ली)
2. डॉ. विनोद गोदरे – हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ (वाणी,दिल्ली)
3. डॉ. हरिमोहन – समाचार, फीचर लेखन एवं सम्पादन कला (तक्षशिला)
4. डॉ.राजेन्द्र मिश्र – प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप (तक्षशिला दिल्ली)
5. डॉ. तारेश भाटिया – आधुनिक विज्ञापन और जनसंपर्क (तक्षशिला दिल्ली)

अंक विभाजन – नियमित

पांचों इकाई से पांच निबंधात्मक प्रश्न 17 – 17 अंकों के ।

अंक विभाजन – स्वाध्यायी

इकाई 1 से 4 तक निबंधात्मक प्रश्न प्रत्येक – 20 अंक

इकाई 5 टिप्पणी 10+10 = 20

28.10.2022

28.10.22

सेमेस्टर – द्वितीय
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र
प्रश्न पत्र : प्रथम

पूर्णांक–85+15 सी.सी.ई.

इकाई – 1
प्लेटो : काव्य – सिद्धांत
अरस्तू : अनुकरण – सिद्धांत, त्रासदी– विवेचन, विरेचन सिद्धांत
लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा

इकाई–2
ड्राइडन के काव्य सिद्धांत
वर्ड्सवर्थ : काव्य – भाषा का सिद्धांत
कालरिज : कल्पना – सिद्धांत और ललित – कल्पना

इकाई – 3
मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
टी.एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयाक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।
आई.ए. रिचर्डस : रागात्मक अर्थ । संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

इकाई – 4
सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद।

इकाई – 5
आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर अधुनिकतावाद।

सेमेस्टर – द्वितीय
प्रश्नपत्र– द्वितीय
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास

पूर्णाक – 85+15 सी.सी.ई.

इकाई – 1
व्याख्यांश

सूरदास :– भ्रमरगीत सार – संपादक रामचंद्र शुक्ल, पद कमांक 51 से 100 तक।
तुलसीदास – विनय पत्रिका –गीता प्रेस गोरखपुर

28.10.22

28.10.2022

पद क्र.
1,5,41,66,73,79,87,90,91,94,98,100,101,102,105,111,115,120,123,124,149,155,162,163,165,166,172,174,198,199,237,242,268,276 ।

बिहारी – बिहारी रत्नाकर – संपादक जगन्नाथ रत्नाकर, दोहा क्रमांक 1 से 50।

घनानंद – घनानंद कवित्त – सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र प्रारंभिक 25 पद ।

इकाई – 2

सूर, एवं तुलसी सें संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 3

बिहारी और घनानंद से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न ।

इकाई – 4

भक्तिकाल (सगुण भक्तिधारा) एवं रीतिकाल का इतिहास, प्रवृत्तियॉ और प्रमुख रचनाओं से संबंधित प्रश्न ।

इकाई – 5

द्रुतपाठ के कवि – मीराबाई,रहीम,रसखान,भूषण और केशव से संबंधित लघुउत्तरीय प्रश्न ।

अंक विभाजन –नियमित

इकाई 1	–	व्याख्या	3 X 8 = 24
इकाई 2	–	आलोचनात्मक प्रश्न	16
इकाई 3	–	आलोचनात्मक प्रश्न	15
इकाई 4	–	आलोचनात्मक प्रश्न	15
इकाई 5	–	लघुउत्तरीय प्रश्न	3 X 5 = 15
			85

अंक विभाजन –स्वाध्यायी

इकाई 1	–	व्याख्या	3 X 9 = 27
इकाई 2	–	आलोचनात्मक प्रश्न	20
इकाई 3	–	आलोचनात्मक प्रश्न	20
इकाई 4	–	आलोचनात्मक प्रश्न	18
इकाई 5	–	लघुउत्तरीय प्रश्न	3 X 5 = 15
			100

28.10.22

28.10.2022

सेमेस्टर – द्वितीय

प्रश्नपत्र तृतीय

आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

नाटक और निबंध

पूर्णांक–85+15 सी.सी.ई.

इकाई–1

व्याख्यांश

नाटक

1–स्कंदगुप्त
2– आधेअधूरे
3– अंधायुग (काव्य नाटक) धर्मवीर भारती

निबंध

1.देश सेवा का महत्व – बालकृष्ण भट्ट
2.म्यूनिसीपलेटी के कारनामे – महावीर प्रसाद द्विवेदी
3.काव्य में लोगमंगल की साधनावस्था – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4.अशोक के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
5.मेरे राम का मुकुट भीग रहा है–विद्यानिवास मिश्र
6.प्रिया नीलकंठी–कुबेरनाथ राय
7.पगडण्डियों का जमाना– हरिशंकर परसाई

उपर्युक्त निबन्धों का संकलन – निबन्ध सौरभ – संपादक डॉ. वन्दना अग्निहोत्री
डॉ. संध्या गंगराडे

इकाई – 2

स्कंदगुप्त तथा आधे–अधूरे से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 3

अंधा युग तथा निर्धारित निबंधों से आलोचनात्मक प्रश्न ।

इकाई – 4

नाटक औ निबंध का इतिहास और विभिन्न प्रवृतितयॉ । निबंध और गद्य की विधाओं : (संस्मरण,रेखाचित्र यात्रावृत्त व्यंग्य) पर आलोचनात्मक प्रश्न ।

इकाई – 5

द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित गद्यकारों पर केंद्रित दो लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाऐंगे।

नाटककार एवं निबन्धकार –

भारतेंदु हरिश्चंद्र,डॉ. रामकुमार वर्मा, डॉ. जगदीशचंद्र माथुर, प्रताप नारायण मिश्र, बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्ण सिंह।

28.10.22

28.10.2022

सेमेस्टर – द्वितीय
प्रश्नपत्र– चतुर्थ
प्रयोजनमूलक हिन्दी
पत्रकारिता और मीडिया लेखन

पूर्णांक–85+15 सी.सी.ई.

इकाई – 1

पत्रकारिता :– स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार, हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, समाचार–लेखन कला, संपादन के आधारभूत तत्व, व्यावहारिक प्रुफ शोधन ।,

इकाई – 2

पत्रकारिता : शीर्षक की संरचना, लीड, इन्ट्री एवं शीर्षक संपादन
संपादकीय लेखन : पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार,पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता ।

इकाई – 3

मीडिया लेखन : जनसंचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियॉ । विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप –मुद्रण,श्रव्य,दृश्य–श्रव्य,इंटरनेट ।
श्रव्य माध्यम–रेडियो :– मौखिक भाषा की प्रकृति,समाचार लेखन एवं वाचन,रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज ।

इकाई – 4

दृश्य श्रव्य माध्यमः– (फिल्म, टेलीविजन,वीडियो) दृश्य माध्यमों (वायस ओवर) टेली ड्रामा, डाक्यू ड्रामा,संवाद लेखन, इंटरनेट सामग्री सृजन ।

इकाई –5

पटकथा लेखन और उसके विविध रूप : साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण ।
विज्ञापन लेखन और विज्ञापन की भाषा, विज्ञापन के विविध रूप ।
अंक विभाजन – नियमित

पांचों इकाई से पांच निबंधात्मक प्रश्न 17 – 17 अंकों के ।

अंक विभाजन – स्वाध्यायी

इकाई 1 से 4 तक निबंधात्मक प्रश्न प्रत्येक – 20 अंक

इकाई 5 टिप्पणी 10+10 = 20

28.10.22

28.10.2022

तृतीय सेमेस्टर सत्र 2020–21 से अविरत

प्रश्न पत्र– प्रथम

आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

पूर्णांक – 85 सी.सी.ई 15

इकाई – 1

व्याख्यांश :–

1. मैथिलीशरण गुप्त : सांकेत का नवम सर्ग
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी चिंता, श्रद्धा, इडा सर्ग

इकाई – 2

मैथिलीशरण गुप्त से संबधित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 3

जयशंकर प्रसाद से संबधित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 4

आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तियॉ ।

इकाई – 5

द्रुत पाठ से निर्धारित कवि जगन्नाथदास रत्नाकर, अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध, महादेवी वर्मा, और बालकृष्ण शर्मा नवीन–परिचय एवं रचनात्मक योगदान ।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. डॉ. द्वारिकाप्रसाद – कामायनी काव्य, संस्कृति और दर्शन (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
2. डॉ. नगेन्द्र – कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)
3. डॉ. गंगाप्रसाद पाण्डेय – बीसवी शती की श्रेष्ठतम काव्यकृति कामायनी (साहित्य भावन, इलाहाबाद)
4. डॉ. . नगेन्द्र – साकेत : एक अध्ययन (साहित्य भंडार, आगरा)
4. डॉ. कमलकांत पाठक – मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य (रंजीत पब्लिशर्स, दिल्ली)
5. डॉ. कन्हैयालाल सहल – साकेत के नवम् सर्ग का काव्य वैभव (साहित्य सदन, चिरगॉव,झांसी)
6 डॉ. के. पी. वर्मा – छायावाही काव्य
7. डॉ. भागीसथ मिश्र तथा बलभद्र तिवारी – आधुनिक हिन्दी काव्य (म.प्र.हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल)
9. डॉ. इन्द्रराज सिंह – छायावाद ओर उसके कवि
10 नामवर सिंह – छायावाद (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
11. डॉ. विद्यासागर – मूकमाटी (भारतीय ज्ञानपीठ,दिल्ली)

अंक विभाजन –नियमित

इकाई 1	–	व्याख्या	3 X 8 = 24
इकाई 2	–		16
इकाई 3	–		15
इकाई 4	–		15
इकाई 5	–		15
			85

28.10.22

28.10.2022

अंक विभाजन –स्वाध्यायी

इकाई 1	–	व्याख्या	3 X 9 = 27
इकाई 2	–		20
इकाई 3	–		20
इकाई 4	–		18
इकाई 5	–		15
			100

तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – द्वितीय
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

पूर्णांक – 85 सी.सी.ई 15

इकाई–1

भाषा और भाषा विज्ञान – भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा–व्यवस्था और भाषा–व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक–प्रकार्य। भाषाविज्ञान का स्वरूप एवं अध्ययन की दिशाएँ – वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई–2

स्वन प्रक्रिया – स्वरूप और शाखाएँ, वाग्यंत्र और उनके कार्य,
स्वनिम की अवधारणा – स्वनों का वर्गीकरण, स्वन–गुण, स्वनिम–परिवर्तन ।

इकाई–3

व्याकरण – रूपविज्ञान का स्वरूप, रूपिम की अवधारणा
वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण– निकटस्थ अव्यव विश्लेषण, गहन संरचना और बाह्य संरचना।

इकाई–4

अर्थविज्ञान – अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परीवर्तन की दिशाएँ ।

इकाई–5

साहित्य और भाषाविज्ञान का अंतः संबन्ध साहित्य अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

अंक विभाजन :–
नियमित – 17 अंक प्रत्येक इकाई
स्वाध्यायी – 20 अंक प्रत्येक इकाई

28.10.22

28.10.2022

तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – तृतीय
हिन्दी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक 85 सी.सी.ई. 15

इकाई 1.

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, एवं इतिहास लेखन की समस्याएँ ।

इकाई 2.

हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई 3.

पूर्वमध्यकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्तिआन्दोलन, विभिन्न काव्य धाराएँ तथा उनका विश्लेषण, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और प्रमुख सूफी कवियों का अवदान।

इकाई 4

रामकाव्य और कृष्णकाव्य : प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य ।

इकाई 5.

उत्तर मध्यकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, विविध धाराऐं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियाँ और विशेषताएं ।

अंक विभाजन :–
नियमित – 17 अंक प्रत्येक इकाई
स्वाध्यायी – 20 अंक प्रत्येक इकाई

28.10.22

28.10.2022

सेमेस्टर– तृतीय
चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)
1. सूरदास

पूर्णांक 85 सी.सी.ई. 15

	सेमेस्टर– तृतीय
इकाई–1	प्रारम्भ से मथुरागमन के पूर्व तक के पदों से व्याख्याएँ पूछी जायेगी।(सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा)
इकाई–2	निर्धारित पद (प्रारंभ से मथुरागमन से पूर्व तक) आलोचनात्मक प्रश्न ।
इकाई–3	युगीन पृष्ठभूमि सामाजिक , राजनीतिक , आर्थिक, परिस्थितियाँ।
इकाई–4	सूरदास का जीवनवृत्त , अंतः साक्ष्य , बाह्य साक्ष्य।
इकाई–5	द्रुतपाठ्य कुम्भनदास, कृष्णदास ,परमानन्ददास।

आधार ग्रंथ : सूरसागर सार : संपादक धीरेन्द्र वर्मा
प्रकाशकः लोकभारती,इलाहाबाद.

सेमेस्टर– तृतीय
चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)
2. जयशंकरप्रसाद

पूर्णांक 85 सी.सी.ई. 15

	सेमेस्टर–तृतीय
इकाई–1	पाठ्य रचनाएँ 'कंकाल' एवं तितली, उपन्यास, कहानी – ''आकाशदीप'',पुरस्कार गुण्डा व्याख्यात्मक –2–2
इकाई–2	प्रसाद का काव्य : कामायनी का समीक्षात्मक अध्ययन।
इकाई–3	छायावाद और प्रसाद।
इकाई–4	प्रसाद की निर्धारित कहानियों और उपन्यास पर समीक्षात्मक प्रश्न।
इकाई–5	द्रुतपाठ–प्रेमचन्द्र, वृन्दावनलाल वर्मा, अमृतलाल नागर निराला का औपन्यासिक योगदान ।

28.10.22

28.10.2022

सेमेस्टर – तृतीय
चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)
3. तुलसीदास

पूर्णांक 85 सी.सी.ई. 15

	सेमेस्टर – तृतीय
इकाई–1	पाठ्य विषय– तुलसीदासः– रामचरित मानस, (गीता प्रेस–गोरखपुर) व्याख्यांश– रामचरित मानस– बालकाण्ड, आयोध्याकाण्ड,
इकाई–2	तुलसीदास की युगीन पृष्ठभूमिः सामाजिक ,राजनीतिक,एवं आर्थिक परिस्थितियां
इकाई–3	रामचरित मानस से संबंधित प्रश्न
इकाई–4	हिन्दी में राम काव्य परम्परा और उसके अन्य कवि ।
इकाई–5	द्रुतपाठ – दोहावली , पार्वती मंगल , जानकी मंगल।

सेमेस्टर– तृतीय
चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)
4. कथाकार प्रेमचन्द

पूर्णांक 85 सी.सी.ई. 15

	सेमेस्टर– तृतीय
इकाई–1	गोदान, एवं प्रेमाश्रम उपन्यास कहानी बूढ़ी काकी , बडे भाई साहब ,शंतरज के खिलाडी (व्याख्या–गोदान से–2 एवं एक शतरंज के खिलाडी से)
इकाई–2	प्रेमचन्द्र : युगीन परिवेश एवं हिन्दी उपन्यास परम्परा और प्रेमचंद
इकाई–3	गेदान अथवा प्रेमाश्रम से समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई–4	हिन्दी कहानी एवं प्रेमचंद निर्धारित कहानियॉ पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई–5	द्रुतपाठ– विश्वम्भर नाथ शर्मा कौशिक, वेचन शर्मा उग्र, भगवती प्रसाद बाजपेयी ,वृंदावनलाल वर्मा : रचना एवं रचनाकार ।

28.10.22

28.10.2022.

अंक विभाजन –नियमित

इकाई 1	–	व्याख्या	3 X 8 = 24
इकाई 2	–		16
इकाई 3	–		15
इकाई 4	–		15
इकाई 5	–		15
			85

अंक विभाजन –स्वाध्यायी

इकाई 1	–	व्याख्या	3 X 9 = 27
इकाई 2	–		20
इकाई 3	–		20
इकाई 4	–		18
इकाई 5	–		15
			100

सेमेस्टर– तृतीय
चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)
5. अनुवाद विज्ञान

पूर्णांक 85 सी.सी.ई. 15

	सेमेस्टर–तृतीय
इकाई–1	अनुवाद कला : अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र और सीमाएँ।
इकाई–2	अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विश्लेषण, अन्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्त्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना
इकाई–3	अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार– कार्यालयीन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि।
इकाई–4	अनुवाद की समस्याएँ : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ।
इकाई–5	कोष एवं पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण की समस्याऐं। मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ।

अंक विभाजन :–
नियमित – 17 अंक प्रत्येक इकाई
स्वाध्यायी – 20 अंक प्रत्येक इकाई

28.10.22

28.10.2022

चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र– प्रथम
आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

पूर्णांक – 85 सी.सी.ई. 15

इकाई – 1 पाठ्य विषय

1. सुमित्रानंदन पंत – परिवर्तन,नौका विहार एकतारा
2. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : राम की शक्ति पूजा,कुकुरमुत्ता ।
3. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय : नदी के द्वीप,सरस्वती पुत्र,असाध्यवीणा
4. गजानंन माधव मुक्तिबोध–ब्रहम राक्षस भूल–गलती ।

(सुमित्रानन्दनपन्त,सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला,अज्ञेय एवं मुक्तिबोध की कविताओं से व्याख्यांश)

इकाई – 2 आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तियॉ, इतिहास एवं प्रमुख कवि

इकाई – 3 छायावादोत्तर काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियॉ, इतिहास और प्रमुख कवि ।

इकाई – 4 निर्धारित कवियों पर समीक्षात्मक प्रश्न ।

इकाई –5 द्रुत पाठ– रामधारी सिंह दिनकर,हरिवंशराय बच्चन, भवानी प्रसाद मिश्र,नरेश मेहता (लघुत्तरीय प्रश्न)

28.10.22

28.10.2022

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

एम.ए. हिन्दी

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर वैकल्पिक सत्र 2021–22

चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

7. आचार्य विद्यासागर कृत मूकमाटी महाकाव्य — पूर्णांक –85, सी.सी.ई. –15

इकाई एक — मूकमाटी व्याख्या
खण्ड एक, खण्ड दो

प्रथम खण्ड– संकर नहीं, वर्ण –लाभ

द्वितीय खण्ड– शब्द सो बोध नहीं, बोध सो शोध नहीं

इकाई दो – आचार्य विद्यासागर व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इकाई तीन – भक्ति साहित्य का इतिहास और संत काव्य परम्परा

इकाई चार – हिन्दी साहित्य के इतिहास में महाकाव्य परम्परा और मूकमाटी का महाकाव्यत्व ।

इकाई पांच – आचार्य विद्यासागर द्वारा रचित हाइकू संग्रह और अन्य प्रमुख रचनाएँ ।

अंक विभाजन

नियमित – 17 अंक प्रत्येक इकाई

स्वाध्यायी – 20 अंक प्रत्येक इकाई

नियमित–	इकाई 1	व्याख्या 3X8=24
	इकाई 2	16
	इकाई 3	15
	इकाई 4	15
	इकाई 5	15
		85

स्वाध्यायी	इकाई 1	व्याख्या 3X9=27
	इकाई 2	20
	इकाई 3	20
	इकाई 4	18
	इकाई 5	15
		100

28.10.2022

28.10.22

सेमेस्टर– तृतीय
चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)
6. दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

पूर्णांक 85 सी.सी.ई. 15

	सेमेस्टर–तृतीय
इकाई–1	माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।
इकाई–2	रेडियो नाटको का इतिहास, पाठ्य नाटक और रेडियो नाटक का अंतर।
इकाई–3	टी.वी.नाटक की तकनीक एवं प्रयोग।
इकाई–4	साहित्यिक विधाओं की दृश्य –श्रव्य रूपांतरण–कला पटकथा लेखन।
इकाई–5	संचार माध्यमों की वर्तमान समय में सम्भावनाए एवं चुनौतियाँ।

अंक विभाजन :–
नियमित – 17 अंक प्रत्येक इकाई
स्वाध्यायी – 20 अंक प्रत्येक इकाई

28.10.22

28.10.2022

अंक विभाजन –नियमित

इकाई 1	–	व्याख्या	3 X 8 = 24
इकाई 2	–		16
इकाई 3	–		15
इकाई 4	–		15
इकाई 5	–		15
			85

अंक विभाजन –स्वाध्यायी

इकाई 1	–	व्याख्या	3 X 9 = 27
इकाई 2	–		20
इकाई 3	–		20
इकाई 4	–		18
इकाई 5	–		15
			100

सेमेस्टर –चतुर्थ
प्रश्न पत्र – द्वितीय
भाषा विज्ञान एवं भाषा

पूर्णांक–85 सी.सी.ई 15

इकाई–1

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ– वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ – पालि, प्राकृत–शौरसेनी, अर्द्धमाघधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण

इकाई–2

हिन्दी का भौगोलिक विस्तारः हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

इकाई–3

हिन्दी का भाषिक स्वरूपः हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था– खंड्य, खंडेतर। हिन्दी शब्द–रचना– उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूप रचना–लिंग, वचन और कारक– व्यवस्था के संदर्भ में, हिन्दी की संज्ञा, सर्वनाम विशेषण और क्रिया रूप। हिन्दी वाक्य–रचनाः पदक्रम और अन्विति।

28.10.22

28.10.2022

इकाई–4

हिन्दी के विविध रूपः संपर्क–भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी की स्थिति, हिन्दी की सांविधानिक स्थिति।

इकाई–5

हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँः शब्द संसाधन, वर्तनी–शोधक, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा–शिक्षण।

देवनागरी लिपिः विशेषताएँ और मानकीकरण

अंक विभाजन :–
नियमित – 17 अंक प्रत्येक इकाई
स्वाध्यायी – 20 अंक प्रत्येक इकाई

सेमेस्टर – चतुर्थ

प्रश्नपत्र – तृतीय

अनिवार्य प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक–85 सी.सी.ई 15

इकाई 1

आधुनिक काल :

1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 ई. का प्रथम स्वाधीनता संग्राम और पुनर्जागरण।

भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।

इकाई 2

द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएं। हिन्दी स्वच्छन्दतावादी चेतना का अग्रिम विकास, छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई 3

उत्तरछायावाद की विविध प्रवृतियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता। प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।

इकाई 4

हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ – कहानी,उपन्यास, नाटक निबन्ध आदि ।

इकाई 5

संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा। हिन्दी आलोचना का उद्‌भव एवं विकास । स्त्री विमर्श और दलित विमर्श ।

अंक विभाजन :–
नियमित – 17 अंक प्रत्येक इकाई
स्वाध्यायी – 20 अंक प्रत्येक इकाई

28.10.22

28.10.2022

सेमेस्टर – चतुर्थ
प्रश्न पत्र– चतुर्थ
वैकल्पिक प्रश्नपत्र – 1. सूरदास

पूर्णांक–85 सी.सी.ई 15

इकाई 1

मथुरागमन से अंत तक की व्याख्याएं सूर सागर सार (संपादक धीरेन्द्र वर्मा,लोकभारती इलाहाबाद)

इकाई 2

भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं विविध काव्य धाराएँ ।

इकाई 3

कृष्णभक्ति काव्यधारा का परिचय,प्रवृत्तियॉ एवं अष्ठछाप के कवि ।

इकाई 4

सूरदास पर आलोचनात्मक प्रश्न ।

इकाई 5

लघुउत्तरी प्रश्न – चतुर्भुजदास, नन्ददास,रसखान,मीरा साहित्यिक परिचय एवं अवदान

1. इतिहास और आलोचना : डॉ. देवीशंकर,द्विवेदी राजकमल प्रका.न.दि.
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा (दो भाग), साहित्य भा. इलाहाबाद
3. हिन्दी साहित्यका इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल,नेशनल पब्लि.न.दि.
4. हिन्दी साहित्यका इतिहास : डॉ. नगेन्द्र,नेशनल पब्लि. न.दि.

सेमेस्टर – चतुर्थ
प्रश्नपत्र– चतुर्थ
वैकल्पिक प्रश्नपत्र – 2. जयशंकर प्रसाद

पूर्णांक 85 सी.सी.ई 15

इकाई 1

व्याख्यांश

पाठ्य रचनाए – स्कन्दगुप्त
चन्द्रगुप्त
कामना
अजातशत्रु

28.10.2022

28/10/22

इकाई 2
हिन्दी नाटक परम्परा और प्रगति तथा प्रसाद की नाट्य यात्रा ।

इकाई 3
प्रसाद के नाटको की पृष्ठभूमि,रंगमंचीय परिकल्पना,तथा नाट्यशास्त्रीय चिंतन ।

इकाई 4
प्रसाद के पाठ्य नाटकों पर आलोचनात्मक प्रश्न ।

इकाई 5
द्रुतपाठ – सेठ गोविन्ददास,भुवनेश्वर,मोहन राकेश, सुरेन्द्र वर्मा,लक्ष्मीनारायण लाल ।

सेमेस्टर – चतुर्थ
वैकल्पिक प्रश्नपत्र– चतुर्थ
3. तुलसीदास

इकाई 1 पूर्णांक 85 सी.सी.ई 15
पाठ्य विषय– तुलसीदास :– रामचरित मानस,कवितावली,विनय पत्रिका (गीता प्रेस–गोरखपुर)
व्याख्यांश– रामचरित मानस – सुन्दरकांड,उत्तर कांड, विनयपत्रिका ।

इकाई 2
रामभक्ति काव्यधारा का परिचय एवं प्रवृत्तियाँ ।

इकाई 3
तुलसीयुगीन पृष्ठभूमि, जीवनी एवं कृतित्व ।

इकाई 4
तुलसी की भक्ति, दर्शन तथा कृतियों से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न ।

इकाई 5
द्रुतपाठ–रामभक्ति धारा के अन्य कवियों का अवदान रामानन्द, विष्णुदास,केशवदास ।

28.10.22

28.10.2022

सेमेस्टर – चतुर्थ
वैकल्पिक प्रश्न पत्र– चतुर्थ
4. कथाकार प्रेमचन्द

पूर्णांक–85 सी.सी.ई 15

इकाई 1
व्याख्यांश
1. गबन
2. रंगभूमि
3. कहानी–ठाकुर का कुआॅ– मंत्र, कफन, ईदगाह,पूस की रात,नमक का दरोगा, कजाकी, सदगति ।

इकाई 2
प्रेमचन्द जीवन एवं रचना यात्रा : उपन्यास,कहानी,पत्रकारिता ।

इकाई 3
प्रेमचन्द के पाठ्य उपन्यासों की समीक्षा ।

इकाई 4
प्रेमचन्द के पाठ्य कहानियों की समीक्षा ।

इकाई 5
द्रुतपाठ–जैनेन्द्र कुमार,यशपाल, भगवतीचरण वर्मा,अमृतलाल नागर ।

अंक विभाजन –नियमित

इकाई 1	–	व्याख्या	3 X 8 = 24
इकाई 2	–		16
इकाई 3	–		15
इकाई 4	–		15
इकाई 5	–		15
			85

अंक विभाजन –स्वाध्यायी

इकाई 1	–	व्याख्या	3 X 9 = 27
इकाई 2	–		20
इकाई 3	–		20
इकाई 4	–		18
इकाई 5	–		15
			100

28.10.22 28.10.2022

सेमेस्टर – चतुर्थ
वैकल्पिक प्रश्न पत्र –चतुर्थ
5. अनुवाद विज्ञान

इकाई–1 पूर्णांक–85 सी.सी.ई 15

अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र और सीमाएँ।

इकाई–2

अनुवाद कला, विज्ञान या शिल्प। अनुवाद की इकाईः शब्द, पदबन्ध, वाक्य, पाठ तथा अनुवाद के उपकरण– कोश,पारिभाषिक शब्दावली,कम्प्यूटर।

इकाई–3

अनुवाद की प्रकिया और प्रविधिः विश्लेषण, अन्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद प्रकिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रकिया, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रकिया, अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ संप्रेषण की प्रकिया, अनुवाद प्रकिया की प्रकृति।

इकाई–4

अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत। अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार– कार्यालयीन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि।

इकाई–5

अनुवाद की समस्याएँ : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ। विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।

अंक विभाजन :–
नियमित – 17 अंक प्रत्येक इकाई
स्वाध्यायी – 20 अंक प्रत्येक इकाई

28.10.22

28.10.2022

सेमेस्टर–चतुर्थ
वैकल्पिक प्रश्न पत्र –चतुर्थ
6. दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

पूर्णांक–85 सी.सी.ई 15

इकाई–1
हिन्दी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास ।

इकाई–2
रेडियो नाटक के प्रमुख भेद – रेडियो धारावाहिक,रेडियो रूपांतर,रेडियो फैन्टेसी, संगीत रूपक,आलेख रूपक (डाक्यूमेन्ट्री फीचर)

इकाई–3
टेली ड्रामा,टेली फिल्म, डाक्यू ड्रामा तथा टी.वी. धरावाहिक में साम्य–वैषम्य ।
संचार माध्यम के अन्य विविध रूप

इकाई–4
इलैक्ट्रानिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन,संपादन और प्रस्तुतिकरण की प्रविधि । संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा । विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि ।

इकाई–5
संचार माध्यमों की भाषा ।
हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियां ।

अंक विभाजन :–
नियमित – 17 अंक प्रत्येक इकाई
स्वाध्यायी – 20 अंक प्रत्येक इकाई

28.10.2022

28.10.22

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर वैकल्पिक सत्र 2021–22

7\. आचार्य विद्यासागर कृत मूकमाटी महाकाव्य

पूर्णांक –85
सी.सी.ई. –15

इकाई एक मूकमाटी व्याख्या
खण्ड तीन, खण्ड चार
तृतीय खण्ड– पुण्य का पालन पाप प्रक्षालन
चतुर्थ खण्ड– अग्नि की परीक्षा, चांदी सी राख

इकाई दो – मूकमाटी में दार्शनिक चिन्तन
इकाई तीन – मूकमाटी का भाषा–शिल्प
इकाई चार – मूकमाटी में प्रकृति और पर्यावरण

इकाई पांच – मूकमाटी में समाज और संस्कृति
अंक विभाजन
नियमित – 17 अंक प्रत्येक इकाई
स्वाध्यायी – 20 अंक प्रत्येक इकाई

नियमित–	इकाई 1	व्याख्या	3X8=24
	इकाई 2		16
	इकाई 3		15
	इकाई 4		15
	इकाई 5		15
			85

स्वाध्यायी	इकाई 1	व्याख्या	3X9=27
	इकाई 2		20
	इकाई 3		20
	इकाई 4		18
	इकाई 5		15
			100

डॉ. वन्दना चराटे

28.10.2022